

Exam. Code : 216304

Subject Code : 4790

**M.A. (Hindi) 4<sup>th</sup> Semester**  
**GURU TEGBAHADUR JI KI BANI KA**  
**VISHESH ADHYAN**  
**Paper—XX, Opt.(i)**

Time Allowed—Three Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्न-पत्र दो भागों में विभक्त है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

भाग—क

यह भाग दो उपभागों में विभक्त है।

उपभाग—I

निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : 4×6=24

1. साधो रचना राम बनाई।।  
 इकि बिनसै इक असथिर मानै अचरजु लखिओ न जाई।।  
 काम क्रोध मोह बसि प्रानी हरि मूरति बिसराई।।  
 झूठा तनु साचा करि मानिओ जिउ सुपना रैनाई।।  
 जो दीसै सो सगल बिनासै जिउ बादर की छाई।।  
 जन नानक जगु जानिओ मिथिआ रहिओ राम सरनाई।।
2. रे नर इह साची जीअ धारि।।  
 सगल जगतु है जैसे सुपना बिनसत लगत न बार।।  
 बार भीती बनाई रचि पचि रहत नही दिन चारि।।  
 तैसे ही इह सुख माइआ के उरझिओ कहा गवार।।  
 अजहू समझि कछु बिगरिओ नाहिनि भजि ले नामु मुरारि।।  
 कहु नानक निज मनु साधन कउ भाखिओ तोहि पुकारि।।

3. राम भजु राम भजु जनमु सिरातु है ।  
 कहउ कहा बार-बार समझत नह किउ गवार ।  
 बिनसत नह लगै बार ओरे सम गातु है ॥  
 सगल भरम डारि देह गोबिंद को नामु लेह ॥  
 अंति बार संगि तेरे इहै एक जातु है ।  
 बिखिआ बिख जिउ बिसारि प्रभ कौ जसु हीए धार ॥  
 नानक जन कहि पुकार अउसरु बिहांतु है ।
4. धन दारा संपति सगल जिनि अपुनी करि मानि ॥  
 इन मै कछु संगि नही नानक साची जानि ॥
5. जनम जनम भरमत किरिओ निटिओ न जम को त्रासु ॥  
 कहु नानक हरि भजु भना निरभै पावहि बासु ॥
6. संग सखा सभि तजि गए कोउ न निबहिओ साधि ॥  
 कहु नानक इह बिपत मे टेक एक रघुनाथ ॥

### उपभाग—II

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिये : 4×6=24

1. गुरु तेग बहादुर की वाणी का काव्य दर्शन स्पष्ट करें ।
2. गुरु तेग बहादुर की वाणी में आए पौराणिक संदर्भों पर चर्चा करें ।
3. हिन्दी साहित्य में गुरु तेग बहादुर जी का स्थान निर्धारित करें ?

4. गुरु तेग बहादुर की वाणी की मूल संवेदना स्पष्ट करें।
5. गुरु काव्यधारा की परम्परा के बारे में बताएं।
6. गुरु तेग बहादुर की वाणी की प्रगतिशीलता स्पष्ट करें।

भाग—ख

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिये : 16×2=32

1. गुरु तेग बहादुर की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन विषय पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।
2. गुरु तेग बहादुर की वाणी का परवर्ती पंजाब के हिन्दी साहित्य पर प्रभाव स्पष्ट करें।
3. गुरु तेग बहादुर जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को स्पष्ट करें।